

प्रेषक,

डॉ० रणबीर सिंह,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आबकारी आयुक्त,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

आबकारी अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 24 नवम्बर, 2010

विषय :- वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिए 04-भट्टियां के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक अनुदान की धनराशि व्यय हेतु निवर्तन में रखे जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या: 428/XXVII(I)/2010 दिनांक: 29 जुलाई, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिए प्रथम अनुपूरक अनुदान के द्वारा 04-भट्टियां शीर्षक के अन्तर्गत निम्नानुसार धनराशि (रु० 6.30 लाख मात्र) व्यय हेतु आपके निवर्तन में रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्रम सं०	मद सं० एवं नाम	धनराशि (हजार रुपये में)	औचित्य
1	2	3	4
01.	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	500	आबकारी विभाग में आबकारी सिपाहियों के रिक्त पदों के सापेक्ष तैनात किये गये पी०आ०डी० के जवानों तथा वाहन चालक एवं अन्य रिक्त पदों के सापेक्ष संविदा के आधार पर तैनात कार्मिकों के वेतन (मानदेय) भुगतान हेतु
02.	17-किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व	130	अवशेष भुगतान हेतु
	योग	630	

- व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृत की जा रही है।
- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय दिनांक 31 मार्च, 2010 तक सुनिश्चित कर लिया जाय।
- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान सं०-08 के लेखा शीर्षक-2039-राज्य उत्पादन शुल्क, 00, 001-निदेशन तथा प्रशासन, 04-भट्टियां के उक्त मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

क्रमशः.....2

5. यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या: 525NP/XXVII(5)/2010 दिनांक: 16, नवम्बर 2010 के अन्तर्गत उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

डॉ० रणबीर सिंह
सचिव

संख्या: 918 (i)/XXIII/2010/37/2010 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय भवन, माजरा, देहरादून।
2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 4. निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड, सचिवालय परिसर, देहरादून।
5. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

आज्ञा से,
(ओ० पी० तिवारी)
उप सचिव।